हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

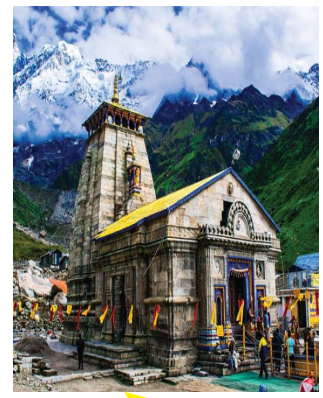

वर्ष:5 अंक:18 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, गुरूवार, 22 जनवरी 2026

पतंजलि योगपीठ पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह का हुआ भव्य स्वागत, आज करेंगे अत्याधुनिक अस्पताल का उद्घाटन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय हरिद्वार भ्रमण कार्यक्रम के दौरान देर शाम पतंजलि योगपीठ पहुंचें। यहां पहुंचने पर उनका भव्य एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे।

पतंजलि योगपीठ पहुंचने पर योगगुरु स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण सहित पतंजलि परिवार के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर गृह मंत्री का अभिनंदन किया। इस अवसर पर योगपीठ परिसर में स्वागत समारोह का आयोजन हुआ, जहां बड़ी संख्या में साधक, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अपने प्रवास के दौरान गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को पतंजलि इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का उद्घाटन करेंगे। यह अस्पताल अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त होगा, जिसमें आपातकालीन सेवाएं, आईसीयू, आधुनिक जांच एवं उपचार की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इस अस्पताल के शुरू होने से न केवल उत्तराखंड बल्कि आसपास के राज्यों के लोगों को भी सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। पतंजलि संस्थान द्वारा इसे स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया है।

गृह मंत्री अमित शाह का भाजपा कार्यकर्ता ने किया भव्य स्वागत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय जनता पार्टी जनपद हरिद्वार और रुड़की के पदाधिकारी और कार्यकर्ता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का पतंजलि योगपीठ आगमन पर भव्य स्वागत और अभिनंदन करेंगे। कार्यकर्ता सुबह 9:00 बजे पतंजलि गेट नंबर-2 पर भाजपा पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य अभिनंदन एवं स्वागत किया जाएगा।

जिला भाजपा नेतृत्व ने इस कार्यक्रम को गरिमामयी एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से समय पर पहुंचकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। पार्टी के अनुसार, गृह मंत्री का यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है तथा इससे कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार होगा। रुड़की जिला अध्यक्ष डॉ. मधु सिंह, जिला महामंत्री सागर गोयल एवं जिला महामंत्री अक्षय प्रताप सिंह ने सभी सम्मानित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया है कि समय से पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा पहुंचे अमित शाह, अध्यात्मिक विषयों पर हुई चर्चा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा की आचार्यपीठ श्री हरिहर आश्रम, कनखल में बुधवार को गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह पहुंचे। इस अवसर पर जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज के साथ उनका आध्यात्मिक तथा लोक-कल्याणकारी विषयों पर चर्चा की। इस वार्ता में राष्ट्र एवं समाज के जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, राष्ट्र-जागरण, सांस्कृतिक चेतना के सुदृढ़ीकरण, तथा लोक-कल्याण और सामाजिक समरसता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विमर्श हुआ। यह परिचर्चा अध्यात्म की अंतः प्रेरणा और राष्ट्र-कर्तव्य के समन्वय का एक उज्ज्वल उदाहरण बनी जो समकालीन समाज को दिशा, विवेक और संकल्प प्रदान करती है। इस अवसर पर उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद अनिल बलूनी तथा उत्तराखण्ड के उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत की भी उपस्थिति रही।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ की अहम बैठक

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रदेश अध्यक्षों की बैठक की अध्यक्षता की। इस अहम बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों, चुनावी तैयारियों और केंद्र और राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में पार्टी के शीर्ष संगठनात्मक पदाधिकारी, विभिन्न राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय में आयोजित हुई है जब पार्टी संगठन पर्व के बाद नए सिरे से संगठनात्मक गतिविधियों को तेज़ करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी हुई है।

बैठक में भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, विनोद तावड़े, सुनील बंसल, दुष्यंत गौतम, तरुण चुग, सीटी रवि और राधा मोहन दास अग्रवाल सहित कई राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री (संगठन) और चुनाव प्रभारी भी बैठक में शामिल हुए। कई प्रदेशों के अध्यक्षों ने अपने-अपने राज्यों की राजनीतिक स्थिति, संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनौतियों को लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष प्रस्तुति दी। नवीन ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की असली ताकत उसका अनुशासित संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है और हर कार्यकर्ता को पार्टी की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्षों से आग्रह किया कि वे केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं–जैसे गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों–को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचायें।

नवीन ने सभी पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों से संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने, एकजुट संदेश देने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय से ही जनता का भरोसा मजबूत होता है और भाजपा इसी मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। बैठक में हाल ही में संपन्न संगठन पर्व, सदस्यता अभियान और पार्टी की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समीक्षा भी की गई। प्रदेश अध्यक्षों ने अपने राज्यों में संगठन पर्व के दौरान हुए कार्यों, कार्यकर्ता सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी।

मैंने भारत-पाक युद्ध रुकवाया, वरना परमाणु हथियार तक बात पहुंचती: ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच 'युद्ध रुकवाने' का दावा एक बार फिर दोहराते हुए बुधवार को कहा कि दोनों देश परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकते थे लेकिन उनके हस्तक्षेप ने ऐसा होने से रोक लिया। ट्रंप ने अपने प्रशासन का एक साल पूरा होने पर व्हाइट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा, 'ये युद्ध रुकने वाले नहीं थे। कंबोडिया और थाईलैंड का युद्ध, कोसोवो और सर्बिया का युद्ध, कॉन्गो और रवांडा का युद्ध। पाकिस्तान और भारत, ये दोनों एक-दूसरे पर हमलावर थे, आठ लड़ाकू विमान गिराये जा चुके थे। मेरे हिसाब से वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने वाले थे। ट्रंप ने युद्ध रोकने का दावा करते हुए कहा कि जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ 2025 में अमेरिका दौरे पर थे तब उन्होंने युद्ध रोकने के लिये श्री ट्रंप का शुक्रिया अदा किया था। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यहां थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक करोड़ या शायद उससे भी ज्यादा लोगों की जान बचाई। जब श्री ट्रंप से सवाल किया गया कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलने से एक आम अमेरिकी नागरिक का जीवन कैसे बेहतर होता, तो उन्होंने एक बार फिर कहा कि सिर्फ भारत-पाक युद्ध रोकने से एक-दो करोड़ लोगों की जान बचायी गयी है। उन्होंने कहा, 'अगर आप इनमें से किसी एक युद्ध को देखें तो यहां लाखों लोगों की बात हो रही है, लेकिन जब आप भारत-पाक की बात करते हैं बात एक-दो करोड़ लोगों तक पहुंच जाती है। उससे भी ज्यादा लोगों की जान जा सकती थी। इसलिये मैंने करोड़ों लोगों की जान बचायी। ट्रंप के बयान के अलावा व्हाइट हाउस ने एक दस्तावेज़ भी जारी किया, जिसमें श्री ट्रंप के प्रशासन के 365 दिनों की 365 उपलब्धियां लिखी थीं। इसमें 'भारत-पाकिस्तान के बीच शांति बहाल करना' भी एक बिन्दू था।

शताब्दी समारोह में संतों और विशेषज्ञों ने किया पर्यावरण संरक्षण पर मंथन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नवयुग के निर्माण के लिए पर्यावरण संरक्षण के साथ सद्ज्ञान का समन्वय अनिवार्य है। इसी भावभूमि पर शांतिकुंज में आयोजित शताब्दी समारोह के अंतर्गत संतों, योगाचार्यों और विशेषज्ञों ने पर्यावरण संरक्षण व शुद्धि पर गहन विचार-मंथन किया। कार्यक्रम में जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि जिस समाज में एक कन्या को दस पुत्रों के समान माना गया है, वहाँ एक वृक्ष का महत्व दस कन्याओं से भी अधिक है, क्योंकि वृक्ष केवल एक जीवन नहीं, बल्कि समूची धरती की श्वास को जीवित रखते हैं। उन्होंने कहा कि जिन सभ्यताओं ने कभी वृक्षों को देवता, नदियों को माँ और पर्वतों को गुरु माना, आज वही प्रकृति के कोप का दंश झेल रही हैं। अंधाधुंध उपभोग और प्रकृति से दूरी ने पर्यावरण संतुलन को गहरी चोट पहुँचाई है। स्वामी जी ने प्लास्टिक के पूर्ण त्याग और वृक्षारोपण को जीवन-संस्कार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि

विवाह-वर्षगांठ, जन्मदिवस और मांगलिक अवसरों को हरित-संकल्प से जोड़ा जाए। उन्होंने कहाकृ 'वृक्षों की ओर लौटें, प्रकृति की गोद में लौटें, वहीं जीवन सुरक्षित है।

शांतिकुंज संस्था नहीं, युग-प्रवर्तक धारा: स्वामी रामदेव

पतंजलि योगपीठ के संस्थापक योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि गायत्री परिवार कोई सामान्य संगठन नहीं, बल्कि महाशिव वेद तीर्थ और सनातन चेतना का जीवंत केंद्र है। न्यूनतम संसाधनों में इतनी व्यापक और सशक्त रचना खड़ी कर देना शांतिकुंज की अद्भुत साधना और दृष्टि का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि गायत्री एक सनातन, शाश्वत और अविराम प्रवाह है, जो साधक के चिंतन, चरित्र और कर्म को रूपांतरित करता है। शांतिकुंज उन्हें संस्था नहीं, बल्कि युग को दिशा देने वाली चेतना के रूप में दिखाई देता है। स्वामी रामदेव जी ने बताया कि पतंजलि योगपीठ के शोध संस्थानों की प्रेरणा उन्हें परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा स्थापित ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान से मिली। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार के साधक केवल गायत्री का गायन नहीं करते, बल्कि उसे जीते हैं।

पर्यावरण संकट आत्मचिंतन की पुकार: डॉ. चिन्मय पंड्या

शताब्दी समारोह के दलनायक डॉ. चिन्मय पंड्या ने पर्यावरण संकट पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज प्रदूषण से होने वाली असमय मृत्यु युद्ध और आतंकवाद से भी अधिक हो चुकी है। मानव की साँसें या तो दुर्लभ होती जा रही हैं या विषैली बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अंतःकरण की विकृति का प्रभाव पर्यावरण पर अवश्य पड़ता है। यह संकट मानव की 360 डिग्री जिम्मेदारी है, जो प्रकृति, समाज और आने वाली पीढ़ियों तक विस्तृत है। उन्होंने हजारों स्वयंसेवकों को संकल्प दिलाया कि देश के प्रत्येक जिले में परम वंदनीया माताजी के नाम से उपवन स्थापित किए जाएंगे, तीर्थों का शुद्धिकरण होगा और नदियों, विशेषकर गंगा माँ के संरक्षण को जन-आंदोलन बनाया जाएगा।

पौधों का किया गया पूजन

इस अवसर पर अतिथियों ने आंवला सहित विभिन्न पौधों का पूजन किया गया, जिन्हें देश-विदेश से आए स्वयंसेवकों में वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम में पीआईबी (पूर्व क्षेत्र) के प्रधान महानिदेशक भूपेंद्र कैंथोला, भारतीय नदी परिषद के संस्थापक रमणकांत, मुख्यमंत्री के सलाहकार मनु गौड़, सूरतगिरि बंगला के अध्यक्ष स्वामी विश्वेश्वरानंद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक के वरिष्ठ पदाधिकारी गोपाल आर्य, किशोर उपाध्याय और स्थानीय विधायक मदन कौशिक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एक नजर

स्वच्छता अभियान का दिखने लगा असर, नजर आने लगी धर्मनगरी स्वच्छ और सुंदर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। दो माह चार दिन से निरंतर सफाई अभियान शहर से लेकर गांव कस्बों तक चलाये जा रहे अभियान का असर धरातल पर नजर आ रहा है। बुधवार को बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया है कि बीएचईएल टाउनशिप एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा शिव मूर्ति चौराहा (मध्य मार्ग पर)से गुरुद्वारा रोड सेक्टर 1 तक सफाई अभियान चलाया गया। प्रबंधन भारत स्काउट गाइड मनोज सिरोही ने अवगत कराया है कि भारत स्काउट गाइड द्वारा आज हरकी पौड़ी क्षेत्रांतर्गत घाट की सीढ़ियों पर लगी काई को हटा कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने अवगत कराया है कि भूमानंद अस्पताल बहादराबाद से संस्कृति महाविधालय तक कई स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया साथ ही पॉलीथिन प्लास्टिक एकत्रित किया गया। खण्ड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया कि ईन्दरीशपुर क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई कार्य कराया गया। खण्ड विकास अधिकारी रूड़की ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत नन्हेडा अनंतपुर क्षेत्रांतर्गत साफ़ सफाई का कार्य किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह में सेना की स्वदेशी तोपों से दी जायेगी राष्ट्रीय ध्वज को सलामी

नयी दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह में सेना की 1721 फील्ड बैटरी (सेरेमोनियल) राष्ट्रीय ध्वज को 21 तोपों की पारंपरिक सलामी देगी। समारोह के दौरान यह आर्टिलरी बैटरी देश में ही बनी 105 मिमी लाइट फील्ड तोपों से फायरिंग कर सलामी देगी। गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज को 21 तोपों की सलामी देना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक परंपरा है। यह कर्तव्य पथ के लॉन से राष्ट्रीय ध्वज को दिया जाने वाला सर्वोच्च सैन्य सम्मान है। इन तोपों की फायरिंग एक साथ होने वाली तीन गतिविधियों का तालमेल होती है जिसमें प्रोटोकॉल अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराना, सेना बैंड द्वारा राष्ट्रगान बजाना और राष्ट्रपति बॉडीगार्ड द्वारा राष्ट्रीय सलामी देना शामिल है। यह सेरेमोनियल बैटरी दिल्ली में तैनात है और इसकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय महत्व के अलग-अलग अवसरों पर पारंपरिक फायरिंग कर सलामी देना है। इनमें कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस, राजघाट पर शहीद दिवस, लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस और राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्राध्यक्षों के दौरे शामिल हैं। यह बैटरी 172 फील्ड रेजिमेंट का हिस्सा है जो मुख्यालय 36 आर्टिलरी ब्रिगेड के तहत आती है। सेरेमोनियल बैटरी 21 तोपों की सलामी देने के लिए 105 मिमी लाइट फील्ड गन का इस्तेमाल करेगी जो स्वदेशी तोप प्रणाली है। पहले यह फायरिंग ब्रिटिश काल की 25 पाउंडर तोप से की जाती थी। यह तोप प्रणाली आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भारत की रक्षा निर्माण क्षमता को प्रदर्शित करती है। पहले 21 तोपों की सलामी के लिए ब्रिटिश काल की 25 पाउंडर तोपों का इस्तेमाल किया जाता था। 1721 फील्ड बैटरी (सेरेमोनियल) सेना की एक विशेष इकाई है जो गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में 21 तोपों की पारंपरिक सलामी देती है। सलामी में ध्वनि और धुएं के लिए विशेष सेरेमोनियल कारतूसों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे किसी को नुकसान नहीं होता।

सड़क सुरक्षा माह: 10-मिनट डिलीवरी पर चेतावनी, हेलमेट-सीट बेल्ट पर ज़ोर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सड़क सुरक्षा माह के तहत बुधवार को जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से अभियान चलाया गया। परिवहन विभाग की टीम ने कई गतिविधियां संचालित की। इन कार्यक्रमों का नेतृत्व परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के तहत सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा दिया गया।

अभियान के तहत परिवहन विभाग की टीम ने जनपद में संचालित जीपैटो, बिलंकिट, जोमेटो और स्वैगी से संबंधित डिलीवरी ऐप स्टोर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान '10 मिनट डिलीवरी' जैसी समय-सीमा आधारित सेवाओं से उत्पन्न संभावित जोखिमों के प्रति डिलीवरी राइडर्स को जागरूक किया गया। राइडर्स को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि यदि किसी कंपनी द्वारा तेज गति या असुरक्षित तरीके से डिलीवरी करने का दबाव बनाया जाता है, तो इसकी तत्काल सूचना परिवहन विभाग को दें। संबंधित कंपनियों को सख्त चेतावनी दी गई कि इस प्रकार की डिलीवरी सेवाओं के लिए केवल वाणिज्यिक (कमर्शियल) वाहनों का ही प्रयोग किया जाए। इस संबंध में संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं तथा भविष्य में नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ये अभियान एआरटीओ (प्रशासन) निखिल शर्मा, एआरटीओ (प्रवर्तन) नेहा झा एवं टीटीओ वरुणा सैनी के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में संपन्न हुई। निखिल शर्मा ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत इस प्रकार के जागरूकता एवं प्रवर्तन संबंधी कार्यक्रम आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सुरक्षित यातायात की संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। आम नागरिकों से अपील है कि वे यातायात नियमों का पालन करें तथा सड़क सुरक्षा अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

कोटा क्लासेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

कोटा क्लासेज में विद्यार्थियों के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के अनिवार्य उपयोग, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट पहनने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा सामान्य सड़क अनुशासन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई, जिससे वे स्वयं भी सुरक्षित रहें और समाज में सुरक्षित यातायात का संदेश प्रसारित करें।

चीनी मांझे से बचाव हेतु सुरक्षा उपकरण की स्थापना

सड़क दुर्घटनाओं एवं गंभीर चोटों की रोकथाम के उद्देश्य से भगत सिंह चौक पर दोपहिया वाहनों में चीनी मांझे से बचाव हेतु विशेष सुरक्षा उपकरण (प्रोटेक्शन डिवाइस) स्थापित किया गया। यह उपकरण विशेष रूप से गले एवं चेहरे पर होने वाली गंभीर चोटों को रोकने में सहायक है। आमजन से अपील की गई कि वे चीनी मांझे का प्रयोग न करें तथा दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

मॉडल महाविद्यालय मीठीबेरी में आपदा प्रबन्धन पर दो दिवसीय कार्यशाला

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठीबेरी हरिद्वार में आपदा प्रबंधन के संदर्भ में लोक चेतना मंच रानीखेत के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार, मुख्य अतिथि जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, मुख्य प्रशिक्षक मनोज कंडियाल ने माँ शारदा का द्वीप प्रज्ज्वलन करके किया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ कुलदीप चौधरी के द्वारा मुख्य प्रशिक्षक एवं सभी आगंतुकों का परिचय कराते हुए बैज लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि मीरा रावत ने छात्र छात्राओं को आपदा प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न प्रकार के अधिनियमों से अवगत कराया।

आपदा प्रबंधन कार्यशाला के द्वितीय सत्र में कुसुम घिल्डियाल ने छात्र छात्राओं को आपदा प्रबंधन से संबंधित सामान्य जानकारी प्रदान की। तृतीय सत्र में मुख्य प्रशिक्षक मनोज कंडियाल के द्वारा सभी छात्र छात्राओं को आपदा प्रबंधन के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए सभी छात्र छात्राओं को आपदा प्रबंधन के प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य के द्वारा सभी छात्र छात्राओं को आपदा प्रबंधन के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ सुनील कुमार ने सभी का हार्दिक धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्रो. सतेन्द्र कुमार, डॉ. अरविन्द वर्मा, डॉ. देशराज सिंह, डॉ. सुनीता बिष्ट, शशिधर उनियाल, पूनम सिंह, कुलदीप एवं सूरज सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोक चेतना मंच के आयुषी डाक्यूमेंटेशन ऑफिसर, आशीष शर्मा कम्युनिटी मोबाइलाइजर, कुसुम घिल्डियाल, दीक्षा शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आपदा प्रबंधन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कुलदीप चौधरी ने किया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से अभद्रता के विरोध में हरिद्वार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कराया मुंडन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के साथ अभद्रता किये जाने के मामले में कांग्रेस शंकराचार्य के समर्थन में खड़ी हो गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घटना को लेकर अनोखे तरीके से अपना विरोध जताया। हरिद्वार में पूर्व सभासद और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपना मुंडन करवा कर विरोध जताया और कहा कि ब्राहम्णों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चंद्राचार्य चौक पर एकत्रित हुए कांग्रेस के पूर्व सभासद अशोक शर्मा ने रणवीर शर्मा और मुकेश के साथ अपना मुंडन कराया। कार्यक्रम के दौरान अशोक शर्मा के साथ

रणवीर शर्मा, मुकेश ने अपना मुंडन करवाया।

इस अवसर पर अशोक शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ब्राह्मणों का अपमान कर रही है। प्रयागराज में एक बटुक ब्राह्मण की शिखा खींचने की जो घटना हुई उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। शिखा एक ब्राह्मण की पहचान है और भाजपा सरकार उस पहचान को मिटाना चाहती है। समस्त ब्राह्मणों को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उत्तराखंड ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पदम प्रकाश शर्मा, श्री परशुराम अखाड़ा के अध्यक्ष अधीर कौशिक ने कहा कि ब्राह्मण जिस दिन जागृत हुआ उस दिन यह अहंकारी सरकार बदल देगा। शंकराचार्य के साथ अभद्रता और ब्राह्मणों के साथ मारपीट कर सरकार क्या जताना चाहती है। अनुसूचित विभाग जिलाध्यक्ष तीर्थपाल रवि, पार्षद सुनील कुमार ने कहा कि ब्राह्मण कार्यक्रम के दौरान अशोक शर्मा के साथ रणवीर शर्मा, मुकेश ने अपना मुंडन करवाया। का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। कहा कि ब्राह्मणों के अपमान बाद भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

इस अवसर पर पार्षद सोहित सेठी, हिमांशु गुप्ता, पूर्व पार्षद नेपाल सिंह, एमडी शर्मा, सोम त्यागी, प्रेम शर्मा, रवि बाबू शर्मा, अखिल त्यागी, ऋषभ वशिष्ठ, तरुण व्यास, पुनीत कुमार, मनोज सैनी, नकुल माहेश्वरी, आशु भारद्वाज, सार्थक ठाकुर, अमन शर्मा, यश शर्मा, दिव्यांश अग्रवाल, अनिल भास्कर, नीटू शर्मा, आशु श्रीवास्तव, लक्की महाजन, नासिर गौड, रिंकू शर्मा, अमित रस्तोगी, समर्थ अग्रवाल, मनोज जाटव, सागर बेनीवाल आदि मौजूद रहे।

एक नजर

हरिद्वार में 23 जनवरी को बारिश- पहाड़ों में बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट

पथ प्रवाह, देहरादून। मौसम विभाग ने 23 जनवरी को उत्तराखंड में बारिश एवं बर्फबारी की चेतावनी जारी किए जाने के बाद राज्य आपदा प्रबंधन तंत्र पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जनपदों के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, पौड़ी, अल्मोड़ा और नैनीताल जनपदों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने सभी संबंधित जनपदों के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बारिश, बर्फबारी, पाला और शीतलहर से उत्पन्न संभावित आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

सचिव ने सभी जनपदों को अत्यधिक सतर्कता बरतने और पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, विद्युत, पेयजल, पशुपालन एवं नगर निकाय विभागों को अलर्ट रखने के निर्देश दिए। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दूरस्थ व उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में सुरक्षित प्रसव की पूर्व व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा एंबुलेंस सेवाओं को सक्रिय रखने को कहा गया।

बर्फबारी से मार्ग अवरुद्ध होने की आशंका के मद्देनज़र संवेदनशील मार्गों पर जेसीबी, स्नो कटर सहित आवश्यक मशीनरी की अग्रिम तैनाती के निर्देश दिए गए। पाला प्रभावित क्षेत्रों में फिसलन रोकने के लिए नमक व चूने के छिड़काव, ठंड से बचाव हेतु अलाव और रैनबसेरों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

साथ ही पशुधन की सुरक्षा, कंबल वितरण की मॉनिटरिंग और 24म7 नियंत्रण कक्ष सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र को देने को कहा गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज इन कार्यक्रमों में होंगे शामिल

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज जनपद हरिद्वार के भ्रमण रहेंगे। वह यहां तीन कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। इन कार्यक्रमों में मुख्य? अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मौजूद रहेंगे। जानकारी के अनुसार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 22 जनवरी, 2026 (गुरुवार) को मुख्यमंत्री प्रातः 10:45 बजे पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार से प्रस्थान कर प्रातः 11:10 बजे गायत्री तीर्थ-शांतिकुंज, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) पहुंचेंगे। तत्पश्चात प्रातः 11:35 बजे गायत्री तीर्थ-शांतिकुंज से प्रस्थान कर प्रातः 11:45 बजे बैरागी द्वीप, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में आयोजित शताब्दी कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इसके उपरांत दोपहर 13:15 बजे बैरागी द्वीप से प्रस्थान कर दोपहर 13:20 बजे हेलीपैड कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) पहुंचेंगे तथा दोपहर 13:25 बजे हेलीपैड कनखल से प्रस्थान करेंगे।

न्याय, समता और बंधुता संविधान की आत्मा, विधायिका समाज को दिशा देती है: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि न्याय, समता और बंधुता भारतीय संविधान की आत्मा हैं और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश की विधायिका समाज को दिशा देने का कार्य करती है। मुख्यमंत्री ने यह बात लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कही। श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजधानी इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की साक्षी बनी है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस सम्मेलन से सीधे जुड़े हैं, वे अपने अनुभवों के माध्यम से इसकी गंभीरता और उपयोगिता को महसूस कर रहे हैं, जबकि अन्य लोग मीडिया के जरिए इसकी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में शामिल सभी पीठासीन अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह मंच केवल संवाद का अवसर नहीं है, बल्कि यह तय करने का भी माध्यम है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं का उपयोग कैसे किया जाए और वे किस दिशा में आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय कैसे प्राप्त किया जाए, इसका मार्ग विधायिका तय करती है, क्योंकि वही ऐसे कानूनों का निर्माण करती है जो समाज के प्रत्येक वर्ग को न्याय दिलाने में सहायक होते हैं।

अमित शाह के दौरे के बीच हरिद्वार में सनसनीखेज लूट, सुमननगर में नकाबपोश बदमाशों का आतंक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उत्तराखंड दौरे को लेकर जिले में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच रानीपुर क्षेत्र के सुमननगर में देर रात एक सनसनीखेज लूट की घटना सामने आई है। तीन नकाबपोश बदमाश हथियारों से लैस होकर छत के रास्ते एक मकान में घुसे और परिवार को बंधक बनाकर लाखों की लूट को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

पीड़ित अनिल कुमार, निवासी सुमननगर सलमपुर मदद के अनुसार बदमाशों ने तमंचा और चाकू के बल पर पूरे परिवार को आतंकित किया। बदमाशों ने अलमारी और अन्य स्थानों में रखे लगभग छह लाख रुपये मूल्य के जेवरात और करीब 88 हजार रुपये की नकदी

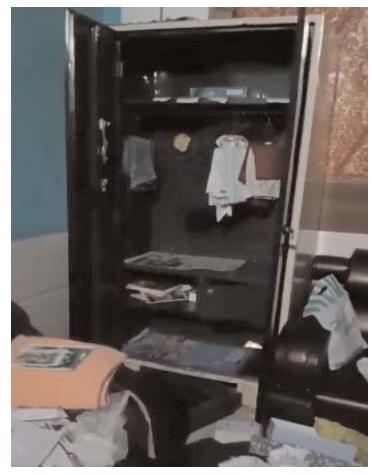

लूट ली। लूट के दौरान बदमाशों ने पुलिस को सूचना देने पर जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे परिवार सदमे और भय में है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा संदिग्धों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। हालांकि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार सतर्कता और गश्त के निर्देश दिए जाने के बावजूद इस वारदात ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के दौरान हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है और उन्होंने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने तथा अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

जन जन की सरकार जन जन के द्वार: 768 लोगों को विभिन्न योजनाओं से किया गया लाभान्वित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दीपेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में विकासखंड बहादराबाद के न्याय पंचायत बहादुरपुर जट नेहरू मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 768 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया तथा विभिन्न विभागों के माध्यम से 187 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए,इस शिविर में 2176 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में सरकार की कई महत्वकांक्षी योजनाएं संचालित हो रही हैं, उन योजनाओं का लाभ आम जन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जिससे की योजना का लाभ आमजन को उपलब्ध कराए जा सके। इस दौरान उन्होंने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी निरीक्षण किया।

आयोजित शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 94 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 29 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया,शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति (राज्यमंत्री स्तर)देशराज कर्णवाल ने

कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाना है तथा उनकी समस्याओं का त्वरित गति से समाधान सुनिश्चित करना है। अपर जिलाधिकारी राजस्व एवं प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जिन शिकायतों का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करे। शिविर में राज्य मंत्री जयपाल सिंह चौहान, उपाध्यक्ष जिला पंचायत अमित चौहान, ब्लॉक प्रमुख आशा नेगी, कनिष्ठ उप प्रमुख धर्मेंद्र सिंह, खंड विकास अधिकारी मानस मित्तल सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

मोदी सरकार का सामाजिक सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अटल पेंशन योजना को वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का निर्णय देश के करोड़ों श्रमिकों के लिए एक बड़ी और राहत भरी सौगात है। यह फैसला उस सोच को दर्शाता है, जिसमें सरकार ने विकास की मुख्यधारा में खड़े हर नागरिक के साथ-साथ असंगठित क्षेत्र में कार्यरत अंतिम व्यक्ति तक सुरक्षा पहुंचाने को प्राथमिकता दी है।

भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ असंगठित क्षेत्र है। खेत-खलिहानों में काम करने वाले श्रमिक, छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण मजदूर, घरेलू कामगार और स्वरोजगार से जुड़े लाखों लोग वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, लेकिन वृद्धावस्था में उनके सामने आय का संकट खड़ा हो जाता है। अटल पेंशन योजना ऐसे ही नागरिकों के लिए सुनिश्चित और सम्मानजनक पेंशन का भरोसा बनकर उभरी है। इस योजना के तहत 60 वर्ष की आयु के बाद नियमित मासिक पेंशन मिलना, उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता और मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है।

उत्तराखंड सहित देश के पहाड़ी, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में इस योजना का विशेष महत्व है। सीमित संसाधनों और रोजगार के अवसरों के बावजूद यदि श्रमिकों को यह विश्वास हो कि वृद्धावस्था में उन्हें नियमित पेंशन मिलेगी, तो यह सामाजिक असमानता को कम करने में सहायक सिद्ध होता है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का मजबूत आधार भी है।

अटल पेंशन योजना को 2030-31 तक जारी रखने का निर्णय विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाता है। किसी भी राष्ट्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसकी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो और हर नागरिक को भविष्य के प्रति भरोसा हो। यह योजना सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और वित्तीय सुरक्षा के उन मूल्यों को मजबूती देती है, जिन पर एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है।

आज जब भारत तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है, तब यह आवश्यक है कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। अटल पेंशन योजना का विस्तार इस दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी कदम है। यह निर्णय न केवल वर्तमान पीढ़ी के श्रमिकों को सुरक्षित करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी यह संदेश देगा कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले हर नागरिक की सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दावोस में गूँज रहा है सीएम मोहन का निवेश अभियान, एमपी को मिलेगा ग्लोबल प्लेटफार्म

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने दावोस दौरे के माध्यम से एमपी को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बनाने का प्रयास कर रहे हैं। निवेश, उद्योग और रोजगार सृजन को एमपी की डेवेलपमेंट नीति का मुख्य केंद्र बनाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते दो वर्ष में देश-विदेश में निरंतर निवेश के अवसरों को तराशने की कोशिश की है। अब वह दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में अपनी भागीदारी दर्ज कर मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों को बढ़ाने की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं।दावोस के मंच पर होने वाली चर्चाओं का सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापारिक नीतियों पर पड़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस मंच का उपयोग मध्यप्रदेश के लिए अधिक से अधिक निवेश जुटाने के उद्देश्य से करने जा रहे हैं। एमपी सरकार का प्रतिनिधिमंडल दावोस के वैश्विक मंच पर ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस, त्वरित निर्णय प्रणाली और भूमि-आवंटन की सरल प्रक्रिया को वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रमुखता से रख रहा है।इस वर्ष वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की थीम ' ए स्पिरिट हाफ डायलॉग ' रखी गई है, जो सहयोग और साझेदारी पर आधारित विकास मॉडल पर आधारित है। दावोस में मध्यप्रदेश निवेश-केंद्रित संवाद, नीति प्रस्तुतिकरण और रणनीतिक साझेदारियों पर फोकस कर रहा है। मध्यप्रदेश विशेष रूप से कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग, बायोटेक-फार्मा-हेल्थकेयर, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, रसायन उद्योग, टेक्सटाइल एवं गारमेंट, रियल एस्टेट, परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स, होल्डिंग कंपनियों, शिक्षा और खेल अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश संवाद करेगा। दावोस दौरे के माध्यम से मध्यप्रदेश मैन्युफैक्चरिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, रसायन उद्योग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक उद्योग जगत से संवाद होगा और सभी को एमपी आमंत्रित किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मुख्य उद्देश्य इन्वेस्ट इन एमपी को वैश्विक स्तर पर मजबूती से स्थापित करना है। राज्य सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में तेजी, त्वरित निर्णय प्रक्रिया, भूमि आवंटन की आसान व्यवस्था और निवेशकों के लिए एकल खिड़की प्रणाली जैसी पहलें दावोस में प्रमुखता से प्रस्तुत की जा रही हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव 21 जनवरी से विभिन्न सत्रों, वन-टू-वन मीटिंग्स, सेक्टोरल राउंडटेबल्स और कॉर्पोरेट डायलॉग में भाग लेंगे, जहां वे वैश्विक सीईओ, नीति-निर्माताओं और बहुराष्ट्रीय कंपनियों से अपना सीधा संवाद स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। एमपी एक जमाने में बीमारू राज्य के रूप में जाना जाता था, अब रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी निवेशकों के दिल जीत रहा है। राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव दावोस पहुंचने के बाद कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात करेंगे।

एक माह पूर्व ग्वालियर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को विकास का महत्वपूर्ण माइलस्टोन करार दिया था। उन्होंने कहा कि इन कॉन्क्लेव के जरिए निवेश को रोजगार से जोड़ने का सफल प्रयास मोहन के कार्यकाल में हुआ है। मोहन सरकार ने विभिन्न संभागों में इन कॉन्क्लेव का आयोजन कर निवेश आकर्षित किया, जिससे औद्योगिक ईकाइयां स्थापित हो रही हैं और लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। शाह ने इसे प्रदेश की आर्थिक मजबूती का आधार बताया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर हुए इस मेगा समिट में 2 लाख करोड़ से अधिक के निवेश वाले प्रोजेक्ट्स की नींव रखी गई, जिससे करीब 2 लाख नौकरियां पैदा होने का अनुमान लगाया जा रहा है। मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है।

अंकिता भंडारी मुद्दे से जीवंतता की ओर बढ़ती कांग्रेस !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

जब तक अंकिता भंडारी हत्याकांड मुद्दा पुनः नही उठा तब तक कांग्रेस उत्तराखंड में सुसुप्त अवस्था मे थी,कांग्रेस में व्याप्त कमजोरी के बावजूद कांग्रेसी संगठनात्मक मजबूती पर कोई ध्यान नही दे रहे थे,वह तो भला हो उर्मिला सनावर का जिसने बैठे बिठाए अंकिता भंडारी मुद्दा उछाल कर कांग्रेस को पनपने का अवसर दे दिया ,हालांकि कांग्रेस के राजनीतिक दबाव के चलते ही अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने का मार्ग प्रशस्त हो पाया।इस समय भी उत्तराखंड की राजनीति इन दिनों अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर उबाल पर है। पिछले कई दिनों से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं और अंकित भंडारी के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। इस मामले में सत्तारूढ़ बीजेपी से जुड़े नेताओं के नाम सामने आने के बाद सियासी घमासान और तेज हो गया है। कांग्रेस ने इसे लेकर राज्य में 'न्याय यात्रा' शुरू की है।

वास्तव में उत्तराखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े हैं। अगर सरकार साफ और पारदर्शी तरीके से काम करती, तो सिस्टम सुधर सकता था। लेकिन जब ऊपर बैठे लोग भ्रष्टाचार को बढ़ावा देंगे, तो अधिकारी भी वही मॉडल अपनाएंगे। दूसरा बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। राज्य में पर्यटन के जरिए लाखों युवाओं को रोजगार दे सकते हैं। हर विधानसभा क्षेत्र में 10 हजार परिवारों को अलग-अलग सेक्टर में रोजगार देने का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया है।अंकिता भंडारी हत्याकांड पर उठी सियासी लहर में भाजपा की घेराबंदी को कांग्रेस आगे भी पुरजोर तरीके से जारी रखेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने की रणनीति पर मंथन हुआ है। निर्णय हुआ कि पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश की भाजपा सरकार और सत्ताधारी दल के विरुद्ध गुटबंदी को किनारे रखकर एकजुट होकर संघर्ष तेज करेंगे। संगठन को हर स्तर पर सक्रिय किया जाएगा। जिला इकाइयों से लेकर ब्लाक व बूथ इकाइयों को जनता के बीच मुद्दों को उठाया जाएगा। विशेष रूप से अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर 11 जनवरी को उत्तराखंड बंद को सफल बनाने के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंकी,फिर भी पूर्ण बंद नही हो पाया,अलबत्ता उत्तराखंड को बंद कराने में पहाड़ी क्षेत्रों में कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को ज्यादा सफलता मिली। यह भी तय किया गया कि इस मुद्दे पर मुख्य विपक्षी दल किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं करेगी।साथ ही प्रदेश सरकार के विरुद्ध एंटी इनकंबेंसी का वातावरण बनाया जाएगा। सरकार पर ठोस रणनीति के साथ आगामी दिनों में आक्रमण तेज करने के लिए कांग्रेस ने इस मुद्दे पर नए सिरे से भाजपा को घेरने का प्लान तैयार किया है। बैठक में पार्टी का जनाधार मजबूत करने पर भी मंथन किया गया। साथ ही प्रांतीय कार्यकारिणी को लेकर भी चर्चा की गई। कांग्रेस लगातार अंकिता मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर है। पार्टी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रही है और यह आरोप लगा रही है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की पूरी तरह निष्पक्ष जांच नहीं हुई है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि कुछ बड़े और प्रभावशाली चेहरों की भूमिका को लेकर अब भी सवाल बने हुए हैं और जब तक हर सवाल का जवाब नहीं मिलेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। कांग्रेस इसे महिला सुरक्षा और न्याय से जोड़कर जनता के बीच ले जा रही है। वहीं भाजपा कांग्रेस के इन प्रदर्शनों को राजनीतिक स्टंट बता रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि जब एसआईटी जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद चले मुकदमे में अदालत ने आरोपियो को दोष सिद्ध कर तीनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा दे दी है, तो फिर इस मुद्दे को बार-बार उछालने का मकसद साफ तौर पर राजनीतिक है।बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस के पास कोई ठोस जनहित का मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह अंकिता भंडारी को ढाल बनाकर 2027 के विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करना चाहती है। सन 2017 में सत्ता गंवाने के बाद से कांग्रेस लगातार ऐसे मुद्दों की तलाश में है, जो भावनात्मक रूप से जनता से जुड़ सकें।महिला अपराध, सुरक्षा और न्याय जैसे विषय स्वाभाविक रूप से संवेदनशील हैं और इन्हें लेकर जनभावनाएं आसानी से भड़काई जा सकती हैं। ऐसे में अंकिता भंडारी हत्याकांड कांग्रेस के लिए एक प्रभावी सियासी हथियार बनता नजर आ रहा है। क्या इस राजनीति से पीड़िता के परिवार को वास्तविक संतोष और न्याय मिल पा रहा है,यह भी विचारणीय प्रश्न है। आने वाले समय में अंकिता भंडारी हत्याकांड न्याय और संवेदनशीलता का प्रतीक बनकर आगे बढ़ता है या फिर 2027 की सियासी बिसात का एक अहम मोहरा बनकर रह जाता है,यह तो समय ही बताएगा, लेकिन जनता की नजरें अब राजनीति नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और पारदर्शिता पर टिकी हैं।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि अंकिता भंडारी ने अपनी हत्या होने के चंद घंटे पहले अपने दोस्त से वीडियो मैसेज में यह कहा था कि रिज़ॉर्ट में वीआईपी आने वाले हैं और मुझ पर दबाव डाला जा रहा है कि मैं उन्हें विशेष सर्विस दूँ और मैंने इनकार कर दिया है।अंकिता ने यह भी कहा कि यहाँ सब कुछ ठीक नहीं है और उक्त कथन के चंद घंटों बाद ही अंकिता की हत्या हो जाती है।हरीश रावत ने कहा कि अंकिता की हत्या की रिपोर्ट लिखे जाने में भी आनाकानी होती है। उसके शव को निकालने में बहुत विलंब होता है। मोबाइल आदि, जो महत्वपूर्ण साक्ष्य हो सकते थे, उन्हें बरामद नहीं किया जाता है। फिर रिज़ॉर्ट में सीसीटीवी कैमरे तोड़े जाते हैं, जेसीबी मशीन से रिज़ॉर्ट के कुछ कक्षों को भी तोड़ा जाता है तथा अंत में रिज़ोर्ट में आग भी लगा दी जाती है। साक्ष्य नष्ट करने की इस प्रक्रिया से यह स्पष्ट हो जाता है कि ये वीआईपी है और कोई अति महत्वपूर्ण व्यक्ति है जिसको जांच के दायरे से बचाने के लिए उपरोक्त सब कदम उठाए गये हैं।इस केस में वीआईपी है, यह अंकिता के बयान से सिद्ध हो जाता है। उसका बयान एक महत्वपूर्ण साक्ष्य है। हत्या के कुछ कारण या मोटिव होता है। इस प्रकरण में वीआईपी को विशेष सेवा देने से इंकार करना हत्या का कारण बना है और इसी कारण स्वरूप रिजोर्ट स्वामी के लिए अंकिता को हमेशा के लिए चुप कराना भी आवश्यक हो गया। सारा कारण या उद्देश्य, इस वीआईपी शब्द के चारों तरफ खड़ा है। निश्चय ही न्याय के ऑप्शन हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट हैं, जहां बारीकी से निचले न्यायालय के निर्णय की विवेचना होती है। वहाँ अंकिता के हत्यारों को दंड मिले इसके लिए वीआईपी पर एफ आवश्यक थी,जो बहुत देर से कांग्रेस के दबाव में दर्ज हो पाई।वह भी अंकिता के माता पिता की तहरीर के बजाए गैर फरीखअनिल जोशी की तहरीर पर।इस केस में वीआईपी अपने आप में एक महत्वपूर्ण आईडेंटिटी है। अंकिता के हत्यारों को अंतिम रूप से दंड मिले उस हेतु भी वीआईपी और रिजोर्ट आदि स्थानों पर साक्ष्य मिटाने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होना अति आवश्यक है अन्यथा हम अंकिता हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं का नारा लगाते रह जाएंगे और कातिल बाहर खुले में हम सबका मजाक उड़ाएंगे। इस वीआईपी को कानून के शिकंजे में आना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि उत्तराखंड में दूर-दूर रिजोर्ट और होमस्टे बन गए हैं उनके संचालन के लिए कोई स्पष्ट मार्ग निर्देशिका नहीं है। धानड्य बनने की होड़ में कुछ लोग इन स्थलों का दुरुपयोग कर सकते हैं जैसा वनंतरा रिजॉर्ट में हुआ।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीतिः ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

ललित गर्ग

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों में आवास विभाग को मिले नए आयाम

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों पर प्रदेश में आवास एवं नगर विकास से जुड़ी योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद 'मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए)' की पहली समीक्षा बैठक ली। सचिवालय स्थित अपने कक्ष में आयोजित इस बैठक में उन्होंने प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं, निर्माणाधीन परियोजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

चल रही परियोजनाओं की गहन समीक्षा

मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की सभी गतिमान परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें पार्किंग निर्माण, पार्कों का विकास, आवासीय योजनाएं, बाजार पुनर्विकास और अन्य शहरी विकास से जुड़े कार्य शामिल रहे। आवास सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए और निर्माण गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति के साथ-साथ गुणवत्ता और पारदर्शिता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया होगी और अधिक सरल व त्वरित

समीक्षा बैठक में मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानचित्र स्वीकृति प्रणाली को और अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए, ताकि आम नागरिकों और निवेशकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तेज और सुगम प्रक्रिया से शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा और अवैध निर्माण की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगेगा।

स्थलीय निरीक्षण कर खुद करेंगे परियोजनाओं की निगरानी

आवास सचिव डॉ आर राजेश ने कहा कि वे स्वयं सभी महत्वपूर्ण और निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि मौके पर जाकर कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने से समस्याओं की पहचान आसान होती है और समय रहते उनका समाधान किया जा सकता है। इससे परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों सुनिश्चित की जा सकेगी।

ऋषिकेश, देहरादून, आढ़त बाजार व इंदिरा मार्केट परियोजनाएं प्राथमिकता में

समीक्षा बैठक में मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ऋषिकेश, देहरादून तहसील क्षेत्र, आढ़त बाजार और इंदिरा मार्केट से जुड़ी परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई। आवास सचिव ने इन सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजारों और सार्वजनिक स्थलों का सुव्यवस्थित विकास न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय व्यापार को भी मजबूती देता है।

पार्कों में गंदगी फैलाने वालों पर लगेगी पेनल्टी

आवास सचिव ने मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा विकसित और संचालित पार्कों के रखरखाव पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्कों में गंदगी फैलाने या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर पेनल्टी की प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसमें नागरिकों की सहभागिता भी जरूरी है।

मास्टर प्लान और लैंड पूलिंग नीति पर बनेगी विशेष कार्ययोजना

डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि आवास विभाग सभी विकास प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाकर काम करेगा। प्राधिकरण स्तर पर शासन में लंबित महत्वपूर्ण योजनाओं को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी विकास प्राधिकरणों के साथ माहवार समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रदेश के कई शहरों के मास्टर प्लान लंबे समय से लंबित हैं, जिन्हें समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाएगी। साथ ही लैंड पूलिंग नीति के तहत लैंड बैंक बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि सरकारी आवासीय योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

अधिकारियों ने दी परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी

बैठक से पूर्व प्राधिकरण सचिव मोहन सिंह बर्निया ने आवास सचिव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने प्राधिकरण की प्रमुख योजनाओं और परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में वित्त नियंत्रक संजीव कुमार, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, सहायक अभियंता अजय मलिक, सहायक अभियंता सुनील गुप्ता, लेखपाल नजीर अहमद तथा वास्तुविद दृष्टि जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार का बयान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों के तहत आवास एवं नगर विकास विभाग प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगा। हमारी प्राथमिकता है कि सभी विकास योजनाएं समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी हों। मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया को सरल किया जाएगा और लंबित मास्टर प्लान व लैंड पूलिंग नीति पर विशेष कार्ययोजना बनाकर तेजी से अमल किया जाएगा।

एक नजर

आईआईटी रुड़की में 'संचय' राष्ट्रीय शिल्प संसाधन केंद्र की स्थापना, शिल्प विरासत को नया संबल

पथ प्रवाह, देहरादून। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की ने कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 'संचय' नामक शिल्प आधारित राष्ट्रीय संसाधन केंद्र की स्थापना की घोषणा की है। यह केंद्र आईआईटी रुड़की परिसर में स्थापित किया जाएगा और भारत की समृद्ध शिल्प विरासत को डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी और नवाचार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस केंद्र को वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय का सहयोग प्राप्त होगा।

'संचय' को भारत की विविध पारंपरिक शिल्प परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रारंभिक चरण में इसका विशेष फोकस उत्तराखंड की संकटग्रस्त पारंपरिक शिल्प विधाओं पर रहेगा। इसके अंतर्गत शिल्पकारों को संरचित प्रशिक्षण, डिज़ाइन विकास, डिजिटल प्रलेखन और आधुनिक तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे उनकी आजीविका सुदृढ़ हो सके। इस पहल का नेतृत्व आईआईटी रुड़की के डिज़ाइन विभाग द्वारा किया जा रहा है। केंद्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी-सक्षम कार्यस्थल, डिज़ाइन एवं प्रदर्शनी स्टूडियो, मेकर लैब्स और डिजिटल अभिलेखागार विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही एक व्यापक शिल्प विश्वकोश और शिल्पकार निर्देशिका तैयार की जाएगी, जिसे ओएनडीसी और मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म्स से जोड़ा जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे।

आईआईटी रुड़की के निदेशक ने कहा कि यह केंद्र शिल्प विरासत को आधुनिक विज्ञान और डिज़ाइन के साथ जोड़कर नवाचार आधारित शिल्प पुनरुद्धार का एक राष्ट्रीय मॉडल प्रस्तुत करेगा। कपड़ा मंत्रालय ने इसे शिल्प संरक्षण और नवाचार के लिए दूरदर्शी पहल बताया। 'संचय' न केवल शिल्पकार समुदायों को सशक्त बनाएगा, बल्कि भारत की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को भी नई पहचान दिलाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा।

देहरादून में जीएसटी अपील अधिकरण की बेंच हुई पूर्ण रूप से कार्यरत, सदस्यों ने संभाला कार्यभार

पथ प्रवाह, देहरादून।

जीएसटी अपील अधिकरण की देहरादून बेंच बुधवार से पूर्ण रूप से कार्यरत हो गई। बेंच के सदस्यों आनंद शाह (सदस्य-तकनीकी, केंद्रीय), राजेश जैन (सदस्य-न्यायिक) और नरेश कत्याल (सदस्य-न्यायिक) ने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय, देहरादून तथा राज्य जीएसटी विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यभार ग्रहण के उपरांत जीएसटी के सदस्यों ने प्रिंसिपल बेंच के साथ एक वेबिनार का आयोजन भी किया, जिसमें अधिकरण की कार्यप्रणाली, समन्वय और अपील निस्तारण से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। यह पहल जीएसटी व्यवस्था के अंतर्गत विवाद समाधान तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

जीएसटी अपील अधिकरण सीजीएसटी एवं एसजीएसटी दोनों के राजस्व हितों की रक्षा करता है और करदाताओं को निष्पक्ष एवं संतुलित अपील मंच उपलब्ध कराता है। सहकारी संघवाद की भावना पर आधारित इसकी संरचना में न्यायिक तथा केंद्र एवं राज्य के तकनीकी सदस्य शामिल हैं, जिससे निर्णय प्रक्रिया में संतुलन और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। तस्झन कर कानूनों की विरोधी व्याख्याओं को रोकने में सहायक है, जिससे कर प्रशासन में एकरूपता आती है। साथ ही यह कर, ब्याज और जुर्माने के उचित बंटवारे को भी सुनिश्चित करता है। देहरादून बेंच के सक्रिय होने से उत्तराखंड एवं आसपास के क्षेत्रों के करदाताओं को त्वरित, सुलभ और निष्पक्ष अपील समाधान का लाभ मिलेगा। यह पहल जीएसटी परिषद और वित्त मंत्रालय की देशभर में बेंचों को सक्रिय करने की व्यापक योजना का हिस्सा है।

बिल्ड बैक बैटर' लक्ष्य पर काम करें विभाग, एक सप्ताह में एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून।

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने सेंडई फ्रेमवर्क (2015-2030) के तहत राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को एक सप्ताह के भीतर विभागीय एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में आयोजित बैठक में उन्होंने सेंडई फ्रेमवर्क के लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

समीक्षा के दौरान सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा कि सेंडई फ्रेमवर्क आपदाओं से होने वाली जनहानि, प्रभावित आबादी, आर्थिक क्षति तथा बुनियादी सेवाओं और महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं को होने वाले नुकसान को कम करने की वैश्विक रूपरेखा है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक विभाग को अपनी विभागीय आपदा प्रबंधन योजना तैयार करनी होगी तथा विभागीय स्तर पर आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की स्थापना अनिवार्य की जाएगी।

उन्होंने बताया कि फ्रेमवर्क की पहली प्राथमिकता आपदा जोखिम को समझाना है, जिसके लिए आपदा से संबंधित आंकड़ों का वैज्ञानिक संग्रह, विश्लेषण और उपयोग आवश्यक है। दूसरी प्राथमिकता के तहत आपदा जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए भूमि उपयोग, शहरी नियोजन, भवन निर्माण संहिता और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। तीसरी प्राथमिकता में आपदा जोखिम न्यूनीकरण में निवेश पर बल देते हुए विकास योजनाओं में जोखिम मूल्यांकन और मानचित्रण को अनिवार्य करने की बात कही गई।

चौथी प्राथमिकता आपदा के प्रति तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया और पुनर्निर्माण से जुड़ी है। इस दौरान 'बिल्ड बैक बैटर' की अवधारणा अपनाकर भविष्य की आपदाओं के जोखिम को कम करने पर जोर दिया गया। बैठक में वरिष्ठ आपदा जोखिम न्यूनीकरण विशेषज्ञ पीडी माथुर ने सेंडई फ्रेमवर्क के प्रमुख लक्ष्यों की जानकारी दी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

एक नजर

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, फैली सनसनी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। श्यामपुर थाना क्षेत्र के मीठीबेरी गांव में एक युवक का शव पेड़ पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, बुधवार की सुबह ग्राम प्रधान कमलेश द्विवेदी को मीठीबेरी गांव में पेड़ पर एक शव लटका होने की सूचना मिली। इसके बाद उन्होंने तुरंत यह जानकारी थाना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पेड़ से शव को नीचे उतरवा कर अपने कब्जे में लिया। मृतक की पहचान रविंद्र उर्फ मोनू (22) पुत्र दिनेश सैनी निवासी मीठीबेरी के रूप में हुई। थाना पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की सही वजह सामने आएगी।

निरंजनी अखाड़ा परिसर के कमरे में लगी आग से मचा हड़कंप

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी परिसर में बुधवार की दोपहर अचानक एक कमरे में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना पर दमकल कर्मियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने से कमरे के अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया। अग्निशमन विभाग के अनुसार, बुधवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी मायापुर परिसर में एक कमरे में आग लग गई है। सूचना पर एक टीम मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि कमरे में लगे एयर कंडीशनर (एसी) में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी थी। फायर कर्मियों ने आग और धुएं पर नियंत्रण पाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। एफएसओ बीरबल सिंह ने बताया कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, हालांकि कमरे में रखा कुछ सामान आग की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हुआ है। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

भारत की सैन्य शक्ति का केंद्रीय आधार बनी रहेगी हवाई शक्ति : वायु सेना प्रमुख

नयी दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने सशस्त्र बलों से अतीत की उपलब्धियों में उलझे रहने के बजाय भविष्य की ओर देखने का आह्वान करते हुए कहा है कि वायु सेना की शक्ति ने युद्धक्षेत्र में बार-बार अपनी उपयोगिता सिद्ध की है और आने वाले वर्षों में यह भारत की सैन्य शक्ति का केंद्रीय आधार बनी रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि भारत को प्रभावशाली शक्ति बने रहना है तो भविष्य की चुनौतियों की तैयारी पर अधिक ध्यान देना होगा। वायुसेना प्रमुख ने बुधवार को यहां 'सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज' द्वारा आयोजित 22वें सुब्रोतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए देश के आधुनिक युद्ध, विशेषकर आतंकवाद-रोधी अभियानों में भारतीय वायुसेना की भूमिका पर बात की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायु सेना ने पाकिस्तान में काफी अंदर स्थित आतंकवादी ठिकानों और लक्ष्यों को निष्क्रिय करने के लिए अनेक सटीक हमले किये।

उन्होंने कहा, 'दुनिया में क्या हो रहा है और भारत में क्या हुआ है, सैन्य शक्ति का कौन सा हिस्सा सबसे अधिक उपयोगी साबित हुआ , जिसने अपेक्षित परिणाम दिए। मुझे लगता है इसका नाम लेने की आवश्यकता नहीं है - वह वायु सेना की शक्ति है। यदि हमें एक प्रभावशाली सैन्य शक्ति बनना है तो इस पहलू पर ध्यान केंद्रित करना बेहद जरूरी है। एयर चीफ मार्शल ने कहा, 'चाहे वह सूडान जैसे संघर्ष के क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालना हो, या आतंकवादी ढांचे और उनके सरगनाओं पर प्रहार करना हो, या कुछ ही घंटों में पाकिस्तान के कई ठिकानों पर हमला कर यह संदेश देना हो कि अब बहुत हो चुका है और उन्हें घुटनों पर ला देना हो – इन सभी में वायु सेना की शक्ति ने निर्णायक भूमिका निभाई है और इसे याद रखा जाना चाहिए। उन्होंने किसी भी प्रकार की आत्मसंतुष्टि के प्रति चेतावनी देते हुए तेजी से बदलते और अनिश्चित वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में उभरती चुनौतियों के लिए तैयार रहने पर जोर दिया। भविष्य की ओर देखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा, 'आइए, हम अतीत की उपलब्धियों पर न रुकें। आइए, भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करें। राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती प्रकृति पर बात करते हुए वायुसेना प्रमुख ने वेनेजुएला और इराक के उदाहरण दिये और कहा कि केवल आर्थिक शक्ति से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती। उन्होंने कहा, 'हमें यह समझना होगा कि सैन्य शक्ति ही राष्ट्रीय शक्ति का अंतिम निर्णायक होती है।

कोई भी देश आर्थिक रूप से मजबूत हो सकता है, लेकिन सुरक्षित नहीं। उन्होंने कहा, 'हमारे अपने देश का उदाहरण भी है। एक समय भारत और चीन मिलकर दुनिया की 60 प्रतिशत जीडीपी को नियंत्रित करते थे, लेकिन इससे हमें कब्जे और उपनिवेश बनने से नहीं रोका जा सका। इन सभी शक्तियों का महत्व है, लेकिन अंततः सबसे जरूरी मजबूत सैन्य शक्ति होती है, क्योंकि इसके बिना कोई भी आपको अधीन कर सकता है। वेनेजुएला और इराक इसके उदाहरण हैं। सैन्य शक्ति महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है उस सैन्य शक्ति का उपयोग करने की इच्छाशक्ति। पिछले वर्ष अक्टूबर में आयोजित वार्षिक प्रेस वार्ता के दौरान वायुसेना प्रमुख ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किए गए हमलों में पाकिस्तान के कई हवाई अड्डों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तान को हुए नुकसान का विवरण देते हुए वायुसेना प्रमुख ने बताया था, 'जहां तक पाकिस्तान के नुकसान का सवाल है, हमने उनके कई एयरफील्ड और अनेक प्रतिष्ठानों पर हमला किया। इन हमलों के कारण कम से कम चार स्थानों पर रडार, दो स्थानों पर कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो स्थानों पर रनवे क्षतिग्रस्त हुए। इसके अलावा तीन अलग-अलग स्टेशनों पर स्थित तीन हैंगरों को नुकसान पहुंचा।

जमरानी व सौंग बांध परियोजनाएं तय समय में पूरी हों, मुख्य सचिव के सख्त निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में सिंचाई विभाग द्वारा निर्माणाधीन जमरानी एवं सौंग बांध परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजनाओं की कार्ययोजना, निर्माण गति, गुणवत्ता नियंत्रण और पुनर्वास से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि दोनों परियोजनाओं से संबंधित सभी निविदाएं और आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने सम्पूर्ण परियोजना का चरणबद्ध फ्लो चार्ट तैयार कर प्रत्येक चरण को निर्धारित समय के अनुसार पूरा करने पर जोर दिया। निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए आवश्यक सामग्री की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए फर्स्ट पार्टी, सेकंड पार्टी एवं थर्ड पार्टी गुणवत्ता नियंत्रण और मूल्यांकन नियमित रूप से कराने को कहा गया। मुख्य सचिव ने परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास कार्यों को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने मुआवजा, पुनर्वास एवं आबंटन की प्रक्रिया को आपसी विश्वास और समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरा करने तथा प्रभावितों से निरंतर संवाद बनाए रखने पर बल दिया। बैठक में सचिव सिंचाई ने बताया कि जमरानी बहुद्देशीय बांध परियोजना की कुल लागत 3678.23 करोड़ रुपये है, जिसे जून 2029 तक पूर्ण किया जाएगा। वहीं 130.60 मीटर ऊंची सौंग बांध परियोजना 150 एमएलडी क्षमता की गुरुत्व आधारित पेयजल योजना है, जिसकी लागत 2524.42 करोड़ रुपये है और इसका निर्माण कार्य नवंबर 2029 तक पूरा किया जाएगा। बैठक में सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

घर का भेदी लूट कांड का मास्टरमाइंड, तीनों आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून।

दून पुलिस ने राजपुर क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से हुई लूट की सनसनीखेज घटना का सफल एवं पूर्ण अनावरण करते हुए बड़ी कामयाबी हासिल की है। लूटकांड का मास्टरमाइंड पूर्व ड्राइवर है। जिसने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में लूटा गया सभी सामान बरामद कर लिया है।

18 जनवरी 2026 की तड़के प्रातः थाना राजपुर को कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि राजपुर रोड, सांकिया हॉस्पिटल के समीप स्थित भुवन गांधी के आवास पर अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी बुजुर्ग माता को डराकर लूट की वारदात की है। प्रभारी निरीक्षक राजपुर पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उच्चाधिकारियों द्वारा भी घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़िता से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई।

पीड़िता बुजुर्ग महिला ने बताया कि वह अपने पुत्र भुवन गांधी के साथ उक्त आवास में रहती हैं। उनके पुत्र 16 जनवरी 2026 को अपने परिवार को दिल्ली छोड़ने गए हुए थे। 17 जनवरी 2026 की रात्रि में दो अज्ञात व्यक्ति उनके कमरे में घुस आए और उन्हें डरा-धमकाकर अलमारी में रखी कीमती ज्वैलरी, नगदी तथा मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गईं। टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की, संदिग्धों की पहचान हेतु तकनीकी साक्ष्य जुटाए तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। लगातार सुरागरसी-पतारसी के परिणामस्वरूप 21 जनवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर किरसाली चौक से मालदेवता रोड के बीच योगराज फार्म बैंड के पास चेकिंग के दौरान घटना में शामिल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण

शफात अली पुत्र लाल मोहम्मद, निवासी ग्राम चौकी थाना सुबह, जिला बाराबंकी (उ.प्र.), उम्र 48 वर्ष, हाल किरायेदार मुफीद खान, काठ बंगला, थाना राजपुर, देहरादून

नदीम उर्फ गुड्डू पुत्र आशिक अली, निवासी मझगांव बाजार शुकुल, जिला अमेठी (उ.प्र.), उम्र 38 वर्ष

इश्तियाक उर्फ कुल्ले पुत्र मुनीर, निवासी ग्राम खलीज बाहरपुर, थाना बाजार शुक्ल, जिला अमेठी (उ.प्र.), उम्र 30 वर्ष, हाल किरायेदार वीर गब्बर सिंह बस्ती, कैनाल रोड, थाना राजपुर, देहरादून

पूछताछ में बड़ा खुलासा

मुख्य अभियुक्त शफात अली ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह पूर्व में वादी के घर पर ड्राइवर का कार्य करता था, लेकिन कोरोना काल में उसे नौकरी से हटा दिया गया था। इसके बावजूद वादी की बुजुर्ग माता कभी-कभार गुरुद्वारे जाने के लिए उसे बुला लेती थीं। इसी दौरान उसे यह जानकारी मिल गई कि घर में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं और बुजुर्ग महिला कई बार घर में अकेली रहती हैं।

16 जनवरी 2026 को अभियुक्त ने वादी के नौकर से फोन पर बातचीत कर स्थिति की पुष्टि की। इसके बाद 17 जनवरी की रात उसने अपने साले नदीम और रिश्तेदार इश्तियाक के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई। तीनों अभियुक्त वैगन आर कार से घर के पास पहुंचे, कार को सुनसान स्थान पर खड़ा कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए दीवार फांदकर घर के परिसर में दाखिल हुए। खुली खिड़की से घर में प्रवेश कर बुजुर्ग महिला को डराया-धमकाया और लाखों की ज्वैलरी व नगदी लूट ली।

बरामदगी का विवरण

लूटी गई ज्वैलरी (अनुमानित कीमत लगभग 08 लाख रुपये)

नगदी 01 लाख 54 हजार रुपये

पीड़िता का आईफोन, घटना में प्रयुक्त वैगन आर कार

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

निरीक्षक प्रदीप सिंह रावत, प्रभारी निरीक्षक, थाना राजपुर, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद कुमार, थाना राजपुर, उपनिरीक्षक अर्जुन गुसाईं, चौकी प्रभारी आईटी पार्क, उपनिरीक्षक अशोक कुमार, चौकी प्रभारी कुठाल गेट

हेड कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल विजय, कांस्टेबल दीपप्रकाश कांस्टेबल नरेन्द्र रावत, कांस्टेबल रविन्द्र टम्टा, कांस्टेबल अंकुल

एसओजी टीमः निरीक्षक मुकेश त्यागी, प्रभारी एसओजी, उपनिरीक्षक संदीप लोहान कांस्टेबल ललित, कांस्टेबल पंकज, कांस्टेबल आशीष, कांस्टेबल अमित

प्रधानमंत्री ने मणिपुर राज्य के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मणिपुर राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य की अपनी बहनों और भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर के लोग अपनी लगन और परिश्रम से भारत की प्रगति में निरंतर योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के प्रति राज्य का जुनून, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति के साथ उसका घनिष्ठ संबंध वास्तव में सराहनीय है।

प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि मणिपुर आने वाले समय में भी इसी तरह विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

एक्स पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने कहा;

'मणिपुर राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर मैं राज्य की अपनी बहनों और भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मणिपुर के लोग भारत की प्रगति को समृद्ध कर रहे हैं। खेल, संस्कृति और प्रकृति के प्रति इस राज्य का जुनून उल्लेखनीय है। आने वाले समय में राज्य इसी तरह विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

गृह मंत्री अमित शाह बोले 'कल्याण' आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चेतना का जीवंत दस्तावेज

पथ प्रवाह, पौड़ी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'कल्याण' के शताब्दी अंक का भव्य एवं विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर गुजराती भाषा में प्रकाशित 'आरोग्य अंक' का भी लोकार्पण किया गया। समारोह में आगन्तुक विशिष्ट अतिथियों का उत्तरीय एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'कल्याण' केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। बीते 100 वर्षों में इसने बिना किसी समझौते के श्रीमद्भागवत, रामचरितमानस, महाभारत, पुराणों सहित सनातन साहित्य को जन-जन तक पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि भारत और उसकी संस्कृति को समझने वाले लोग गीता प्रेस और 'कल्याण' के योगदान से भली-भांति परिचित हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने हनुमान प्रसाद पोद्दार 'भाईजी' के तपस्वी जीवन और निस्वार्थ सेवा को नमन करते हुए कहा कि गीता प्रेस द्वारा योग, श्रीकृष्ण, हिंदू संस्कृति और राष्ट्रबोध जैसे विषयों पर प्रकाशित विशेषांकों ने करोड़ों लोगों को वैचारिक दिशा दी। उन्होंने कहा कि सज्जनों की कमी कभी नहीं होती, कमी होती है उनके संगठित होने की–और 'कल्याण' ने यह भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गीता प्रेस की यह सात्विक परंपरा आगे भी उसी निष्ठा और पवित्रता के साथ निरंतर आगे बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'कल्याण' का शताब्दी अंक सनातन संस्कृति, राष्ट्र चेतना और आध्यात्मिक पुनर्जागरण की उस ऐतिहासिक साधना को नमन है, जिसने एक शताब्दी से अधिक समय तक भारतीय समाज को मूल्यों, संस्कारों और राष्ट्रीय स्वाभिमान से जोड़े रखा। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए गीता प्रेस परिवार को हार्दिक बधाई दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि स्वर्गीय जयदयाल गोयन्दका एवं स्वर्गीय हनुमान प्रसाद पोद्दार द्वारा स्थापित गीता प्रेस की परंपरा आज भी देश को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करते हुए आत्मनिर्भर राष्ट्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अनुच्छेद 370 की समाप्ति, आतंकवाद व नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा सहकारिता क्षेत्र में हुए सुधारों को गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प और निर्णायक नेतृत्व का परिणाम बताते हुए उत्तराखंड की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि जब विदेशी एवं विकृत विचारधाराएँ समाज को भ्रमित करने का प्रयास कर रही थीं, तब गीता प्रेस ने श्रीमद्भगवद्गीता, उपनिषद, रामचरितमानस और पुराणों का शुद्ध एवं प्रामाणिक प्रकाशन कर भारतीय चेतना को जागृत रखा। उन्होंने बताया कि गीता प्रेस द्वारा अब तक 101 करोड़ से अधिक धार्मिक ग्रंथों का प्रकाशन किया जा चुका है।

इस अवसर पर 'कल्याण' पत्रिका के संपादक कृष्ण कुमार खेमका ने जानकारी दी कि अब तक 'कल्याण' पत्रिका की लगभग 17 करोड़ 50 लाख प्रतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं, जो इसके व्यापक जनविश्वास और सांस्कृतिक प्रभाव का प्रमाण है।

समारोह में गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, कृषि मंत्री गणेश जोशी, वन मंत्री सुबोध उनियाल, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती , पूज्य द्वाराचार्य स्वामी राजेन्द्रदास, केशोराम अग्रवाल, आचार्य स्वामी गोविन्ददेव गिरि, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरी, गोविंदानंदजी तीर्थ, विधायक यमकेश्वर रेनू बिष्ट, ऋषिकेश प्रेमचंद्र अग्रवाल, विधायक हरिद्वार मदन कौशिक, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख सचिव गृह शैलेश बगोली, जिलाधिकारी पौड़ी स्वाति एस. भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी पौड़ी गिरीश गुणवंत सहित धर्म, संस्कृति, साहित्य और प्रशासन जगत के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एक नजर

राहुल ने हरियाणा, उत्तराखंड के जिलाध्यक्षों को दिया प्रशिक्षण

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार सुबह हरियाणा दौरे के तहत कुरुक्षेत्र पहुंचे, जहां वह 'संगठन सृजन अभियान' में शामिल हुए और पार्टी जिला अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया। श्री गांधी विशेष विमान से सुबह अंबाला वायुसेना केन्द्र पहुंचे, जहां श्री गांधी का कांग्रेस प्रभारी बी. के. हरिप्रसाद, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनका स्वागत किया। अंबाला से श्री गांधी सड़क मार्ग के जरिए कुरुक्षेत्र पहुंचे।

कुरुक्षेत्र में पंजाबी धर्मशाला में कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' के तहत जिला अध्यक्षों का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है, जिसमें श्री गांधी हिस्सा ले रहे हैं। इस शिविर में हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस जिला अध्यक्षों को संगठन को मजबूत करने, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोड़ने और आगामी चुनावों की रणनीति को लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत में श्री गांधी ने दोनों राज्यों के जिला अध्यक्षों के परिवारों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने संगठन में परिवारों के सहयोग और भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। इसके बाद श्री गांधी ने बंद हॉल में जिला अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया।

सूत्रों के अनुसार, इस सत्र में जिला अध्यक्षों के अलावा किसी भी अन्य नेता को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गयी है। वरिष्ठ नेताओं को अलग कमरे में बैठाया गया है, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि पार्टी नेतृत्व जिला स्तर के संगठन को सीधे तौर पर मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है।

धर्मशाला परिसर में श्री राव नरेंद्र सिंह, श्री हुड्डा, सांसद कुमारी सैलजा, राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला सहित कई विधायक और सांसद मौजूद हैं, हालांकि वे प्रशिक्षण सत्र का हिस्सा नहीं हैं।

प्रशिक्षण शिविर के बाद श्री गांधी के शाम को कुरुक्षेत्र स्थित ऐतिहासिक ब्रह्मसरोवर में आयोजित आरती में शामिल होने की संभावना है। श्री गांधी के इस दौरे को संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

गृह मंत्री अमित शाह के आगमन से पहले जनपद में चली सघन चेकिंग

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गृह मंत्री अमित शाह के हरिद्वार आगमन से पहले हरिद्वार पुलिस ने जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में यह सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस टीमें अपने-अपने क्षेत्र में होटलों, धर्मशालाओं, गेस्ट हाउसों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगातार चेकिंग कर संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

बतादें गृह मंत्री अमित शाह आज शहर में तीन कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पहला कार्यक्रम पतंजलि योगपीठ में होगा जहां वह पतंजलि के अत्याधुनिक सुविधाओं वाले अस्पताल का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद वह शांतिकुंज जाएंगे वहां से शांतिकुंज के शताब्दी समारोह में शामिल होने बैरागी कैंप जाएंगे। गृह मंत्री के भ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए शहर में सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के सख्त निर्देशों का अनुपालन करते हुए पुलिस ने होटल एवं लॉज के एंट्री रजिस्टरों की गहनता से जांच की। ठहरे हुए व्यक्तियों की पहचान और दस्तावेजों का सत्यापन किया। चेकिंग के दौरान हर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु एवं वाहन की बारीकी से जांच की गई। जनपद की सीमाओं पर भी सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है। बॉर्डर प्वाइंट्स पर पुलिस बल द्वारा आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही है। बाहरी व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। भारी वाहनों का प्रवेश शहर में बंद कर दिया है। बाहरी जनपदों से आने वाले वाहनों को बॉर्डर पर रोक दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वी.वी.आई.पी. कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। आमजन से भी अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें और जांच अभियान में सहयोग करें।

स्पेन के विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की

नई दिल्ली। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। राष्ट्रपति भवन में श्री अलबारेस का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच संबंध सदियों पुराने हैं, जो व्यापार, संस्कृति और लोकतंत्र एवं बहुलवाद के साझा मूल्यों से समृद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारे राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ है जिसे 'संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और व्यापार तथा निवेश का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, रेलवे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी सेवाओं और रक्षा-अंतरिक्ष क्षेत्रों में स्पेन की क्षमताएं भारत की विकास प्राथमिकताओं प्राथमिकताओं को समर्थन देने में सहायक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद, दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

जल संरक्षण उत्तराखंड के सतत विकास की आधारशिला है: सतपाल महाराज

पथ प्रवाह, पौडी।

नगर पंचायत प्रांगण सतपुली में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-जलागम विकास घटक के अंतर्गत जलागम महोत्सव 2025-26 का आयोजन कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में भव्य रूप से संपन्न हुआ।

कैबिनेट मंत्री ने विभागीय स्टॉलों के निरीक्षण के उपरांत बीरोंखाल के मैठाणाघाट, स्यूंसी व फरसाड़ी में बनी जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना यूनिट कार्यालयों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जलागम महोत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-जलागम विकास घटक 2.0, उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना, स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी (सारा), हरित कृषि परियोजना व जैफ-6 परियोजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गयी।

जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि जल संरक्षण और जल संसाधनों का समुचित प्रबंधन उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के सतत

विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। जलागम योजनाओं के माध्यम से वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत जलागम विकास घटक से सूखे क्षेत्रों में हरियाली लौट रही है, किसानों की आय बढ़ रही है और गांवों को जल-सुरक्षित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सचिव जलागम दिलीप जावलकर ने कहा कि जलागम विकास घटक 2.0 के अंतर्गत वैज्ञानिक, सहभागी और परिणाम-आधारित दृष्टिकोण से योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जलागम परियोजनाओं का उद्देश्य केवल संरचनाएं बनाना नहीं है, बल्कि पानी को रोकना, मिट्टी को बचाना और लोगों की आय में वृद्धि करना है। इन कार्यों से भू-जल स्तर में सुधार, भूमि की उत्पादकता में वृद्धि और प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम में कमी आयी है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर जीईएफ-6 कहकशा नसीम ने कहा कि जलागम परियोजनाओं को जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन एवं क्रियान्वित किया जा रहा है। जीईएफ-6, ग्रीन एग्रीकल्चर तथा स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन परियोजनाओं के माध्यम से सूखते नौले-धारे पुनर्जीवित किए जा रहे हैं, मृदा संरक्षण हो रहा है और पर्यावरण-अनुकूल कृषि को बढ़ावा मिल रहा है। इन प्रयासों से ग्रामीण समुदायों की जलवायु सहनशीलता मजबूत हो रही है। जलागम महोत्सव 2025-26 के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के पुनर्जीवन, कृषि एवं ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के अनुरूप अनुकूलन, तथा जन सहभागिता के माध्यम से स्थानीय विकास पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के तहत वर्षा जल संचयन, स्प्रिंग रिवाइवल, मृदा संरक्षण एवं ग्रीन एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों की आय वृद्धि और गांवों को जल-सुरक्षित बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की गयी। इस अवसर पर जलागम के तहत उत्कृष्ट कृषकों व ग्रामों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष सतपुली जितेंद्र चौहान, डीएफओ महातिम यादव, संयुक्त निदेशक जलागम अनुज कुमार डिमरी, उप निदेशक जलागम डॉ. डी.एस. रावत, ब्लॉक प्रमुख पौड़ी अस्मिता नेगी, ब्लॉक प्रमुख कल्जीखाल गीता देवी, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल किशोर रावत सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 27 वर्ष के सेवाकाल के बाद हुई सेवानिवृत्त

वाशिंगटन । नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता 'सुनी' विलियम्स 27 वर्षों की सेवा के बाद अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी से सेवानिवृत्ति हो गयी हैं। यह उनके एक अत्यंत सफल मानव अंतरिक्ष उड़ान करियर का अंत है। नासा ने बताया कि उनकी सेवानिवृत्ति 27 दिसंबर 2025 से प्रभावी हुयी है।

शेयर बाजारों में लगातार तीसरी गिरावट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को बड़े उतार-चढ़ाव के बाद प्रमुख सूचकांक लगातार तीसरे दिन गिरावट में बंद हुए। घरेलू स्तर पर रुपये पर जारी दबाव का असर भी देखा जा रहा है। रुपया फिलहाल मंगलवार के मुकाबले 64 पैसे नीचे 91.61 रुपये प्रति डॉलर पर है। आज का इसका निचला स्तर 91,7475 रुपये प्रति डॉलर है जो अपने-आप में नया रिकॉर्ड है। ग्रीनलैंड मुद्दे पर बनी वैश्विक अनिश्चितता से भी निवेश धारणा कमजोर हुई है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सुबह 386 अंक नीचे खुला। यह दोपहर से पहले 81,124.45 अंक तक उतरने के बाद दोपहर बाद 82,407.05 अंक तक चढ़ा। इस प्रकार सूचकांक ने एक ही दिन में 1,282 अंक का उतार-चढ़ाव देखा।

अंत में सेंसेक्स पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 270.84 अंक (0.33 प्रतिशत) नीचे 81,909.63 अंक पर बंद हुआ जो 08 अक्टूबर 2025 के बाद का निचला स्तर है। इससे पहले, मंगलवार को सेंसेक्स 1,066 अंक गिरा था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक एक समय 312 अंक तक टूटने के बाद अंत में 75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत नीचे 25,157.50 अंक पर बंद हुआ। यह सूचकांक का 14 अक्टूबर 2025 के बाद का निचला स्तर है।

मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.10 अंक और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.90 अंक लुढ़क गया।

धातु (0.57 प्रतिशत) और तेल एवं गैस (0.27 प्रतिशत) समूहों के सूचकांकों में तेजी रही जबकि अन्य सभी सेक्टरों के सूचकांक लुढ़क गये। टिकाऊ उत्पाद, सार्वजनिक बैंकों, वित्तीय सेवाओं, रसायन और रियलटी सेक्टरों में ज्यादा गिरावट रही। एनएसई में कुल 3,299 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 2,139 कंपनियों के शेयर गिरावट में और 1,078 के हरे निशान में बंद हुए। अन्य 82 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.96 प्रतिशत टूटा। ट्रेंट में 1.78 फीसदी, बीईएल में 1.59, एचडीएफसी बैंक में 1.18 और एलएंडटी में प्रतिशत की गिरावट रही। भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी लाल निशान में रहे। इटरनल का शेयर सबसे अधिक 4.98 प्रतिशत चढ़ा।

बाल अधिकार, सुरक्षा एवं कानून के प्रति स्कूल में बच्चों का किया जागरूकता

पथ प्रवाह, पौड़ी।

बाल अधिकारों के संरक्षण तथा बच्चों को सुरक्षित भविष्य की दिशा में जागरूक करने के उद्देश्य से श्रीनगर स्थित सेम्फोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल में बाल जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में सिविल जज श्रीनगर (जू.डि.) अल्का ने बच्चों से संवाद करते हुए न्यायपालिका की भूमिका, बाल-अनुकूल न्याय प्रणाली तथा कानून द्वारा बच्चों को प्रदान की जा रही सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि न्यायालय बच्चों की सुरक्षा एवं गरिमा के प्रति पूर्णतः संवेदनशील है तथा किसी भी प्रकार के शोषण, भय या अन्याय की स्थिति में कानून बच्चों के साथ मजबूती से खड़ा रहता है। उन्होंने बच्चों से कहा कि ऐसी किसी भी स्थिति में डरने, सहने या चुप रहने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि विश्वास के साथ उपलब्ध सहायता तंत्र का उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में जिला

बाल संरक्षण अधिकारी/जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय (जेजे) अधिनियम एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दौरान बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के संवेदनशील, व्यावहारिक एवं विश्वास जगाने वाले उत्तर दिए गए, जिससे बच्चों में जागरूकता के साथ-साथ आत्मबल का भी विकास हुआ। कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय के शिक्षकों के साथ एक विशेष संवाद/ब्रेन-स्टॉर्मिंग सत्र भी आयोजित किया गया। आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 250 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष बार एसोसिएशन श्रीनगर प्रवेश जोशी, एडवोकेट भूपेंद्र पुंडीर, सामाजिक कार्यकर्ता सूरज कुमार, संरक्षण अधिकारी जिला बाल संरक्षण इकाई प्रज्ञा नेगी, काउंसलर चाइल्ड हेल्पलाइन अमन, केस वर्कर चाइल्ड हेल्पलाइन शकुंतला नयाल सहित अन्य संबंधित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कंडारा में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में 387 लोग लाभान्वित

पथ प्रवाह, पौडी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत विकासखंड पौड़ी की न्याय पंचायत कंडारा में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राज्यमंत्री/उपाध्यक्ष, राज्य स्तरीय जलागम परिषद, रमेश सिंह गड़िया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बुधवार को आयोजित शिविर में राज्यमंत्री रमेश सिंह गड़िया ने कहा कि इस प्रकार के शिविर आमजन को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित व समयबद्ध समाधान पर बल देते हुए कहा कि इससे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचता है। न्याय पंचायत कंडारा में आयोजित शिविर में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा कुल 23 शिकायतें दर्ज कराई गई, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई के

निर्देश दिए गए। संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी ने बताया कि शिविर के दौरान विद्युत, पेयजल, घेरबाड़ सहित विभिन्न प्रकार की 23 समस्याएं प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर किया गया तथा शेष समस्याओं को संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से लगभग 387 ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। वहीं, 16 लोगों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनाए जाने हेतु आवेदन किए गए।

शिविर में ज्येष्ठ प्रमुख अर्चना तोपाल, खंड विकास अधिकारी दृष्टि आनंद, क्षेत्र पंचायत सदस्य कंडारा कुसुम खंडूड़ी, उरेगी यशोदा देवी, निसनी संजय सिंह, ग्राम प्रधान कंडारा शांति देवी, कमेडा सुमन प्रसाद, डुबलिया सुरेश रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com